बदहाली मप्र के सबसे बड़े फ्लाईओवर का तमगा वाले शहर की सड़कों की तस्वीर बदसूरत, टैक्स पूरा, बदले में धूल, गड्ढे और ट्रैफिक जाम, ग्वालियर की तर्ज पर जबलपुर में भी सैंपलिंग हो तो सडक़ों के नीचे दफन भ्रष्टाचार होगा बेनकाब

ऊपर आधुनिकता, नीचे बदहाली, दावे गड्ढों में दफन

कछपुरा गणेश नगर

नमन विहार कालोनी, धनवंतरी नगर

ब्यौहारबाग

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और लंबा फ्लाईओवर का तमगा पाने वाले जबलपुर में कई नए फ्लाईओवर भी कतार में हैं। शहर की मुख्य चौराहों के ऊपर से गुजरते कंक्रीट के ऊंचे ढांचे आधुनिकता का अहसास कराते हैं, ऊपर से गुजरें तो लगता है कि हम किसी बड़े महानगर में हैं, लेकिन जैसे ही इस चमचमाते फ्लाईओवर के नीचे टायर जमीन को छूते हैं तो जमीनी हकीकत कमर तोड़ देती है। नीचे उतरते ही जनता का सामना पत्थरों, धूल और जानलेवा गड्ढों से होता है। शहर की मुख्य और आंतरिक सडक़ें बदहाली के आंसू रो रही हैं। सडक़ें इस कदर बदहाल हैं कि विकास के बड़े-बड़े दावे गड्ढों में दफन नजर आते हैं। भले ही जनता टैक्स पूरा दे रही है, लेकिन बदले में उसे सिर्फ धूल, गड्ढे और ट्रैफिक जाम मिल रहा है। धूल से नागरिक फेफड़ों के मरीज बन रहे है और गड्ढों से लोग रीढ़ की हड्डी तुड़वा रहे हैं। शहर की मुख्य सड़कें अब गड्ढों में तब्दील नहीं हुई हैं, बल्कि यूं कहिए कि गड्ढों के बीच कहीं-कहीं थोड़ी बहुत सडक़ बची रह गई है। जबलपुर की सडक़ें भी भ्रष्टाचार के डामर से पुती हुई हैं जो मानसून सीजन में ये चमचमाती सडक़ें किसी खेत की तरह नजर आने लगती हैं। बीते सालों की तरह इस वित्तीय वर्ष में भी नगर निगम सडक़ मरम्मत के लिए 4 करोड़ 55 लाख रुपये और नए सडक़ निर्माण के लिए 27 करोड़ रुपये पानी की तरह बहा रहा है पर शहर की सड़कों की सूरत नहीं बदल पा रही है। शहर की मुख्य सडक़ों से लेकर रिहायशी इलाकों की गलियों तक, हर जगह सिर्फ जानलेवा गड्ढे और उड़ती धूल ही नजर आ रही है। यह कोई पहली बार नहीं है जब सडक़ों के नाम पर इतनी बड़ी रकम जारी की गई हो। हर साल सडक़ों के निर्माण और सुधार के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जाते हैं। लेकिन जैसे ही मानूसन की पहली बौछार पड़ती है, करोड़ों की लागत से बनी सडक़ों की गिट्टियां और डामर बह जाते हैं। आलम यह है कि ग्वारीघाट रोड, रांझी, गढ़ा, सतपुला, कछपुरा, गणेश नगर, नमन विहार कॉलोनी, खमरिया कैलाश धाम, महाराणा प्रताप वार्ड, गंगानगर, नव निवेश कॉलोनी, घमापुर, घंटाघर, निवाड़गंज, पांडे चौक से दीक्षितपुरा रोड, ब्यौहार बाग, मँडी मदार टेकरी, रसल चौक, सिंधी कैम्प, रजा चौक, स्टॉफ कॉलोनी, न्यू गोकलपुर की सडक़े तो चलने लायक नहीं बची है यहां सिर्फ गड्ढे ही नजर आते है।

ये सडक़ें इस वक्त विकास की नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की गवाही दे रही है। जिसको लेकर अब आवाज उठने लगी है कि अगर ग्वालियर की तर्ज पर जबलपुर में भी सडक़ों की सैंपलिंग हो तो डामर के नीचे दफन भ्रष्टाचार बेनकाब हो जाएगा। दरअसल ग्वालियर में बदहाल सडक़ों पर हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच ने जो चाबुक चलाया है, उसने पूरे प्रदेश के भ्रष्ट सिस्टम के चूलें हिला दिए हैं वहां कोर्ट कमिश्नर और तकनीकी टीम सडक़ों को खोदकर ऑन-स्पॉट सैंपल सील कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि सडक़ें तय मानकों के अनुसार बनी है या नहीं। खराब काम के लिए जिम्मेदारों की पहचान की जा रही है। अब जबलपुर से भी सीधे तौर पर यह मांग उठ रही है। जिससे साहबों और उनके चहेते ठेकेदारों के गठजोड़ की ऐसी पोल खुलेगी कि इन्हें मुंह छिपाने की जगह नहीं मिलेगी।

आंकड़े में जबलपुर की सड़कें

- जबलपुर नगर निगम सीमा के अंतर्गत कुल सड़क नेटवर्क की लंबाई लगभग 1,110 किलोमीटर है।
- शहर की लगभग 85 प्रतिशत सड़कें नगर निगम के अंतर्गत आती हैं, जिनमें आंतरिक वार्डों, कॉलोनियों और मुख्य नगरीय क्षेत्रों की सड़कें शामिल हैं।
- पीडब्ल्यूडी: जबलपुर में राजमार्गों और प्रमुख मुख्य जिला मार्गों को मिलाकर लोक निर्माण विभाग के पास लगभग 50 किलोमीटर लंबी सड़कें हैं।
- निर्माण में 27 करोड़, मरम्मत में 4.55 करोड़ बहाएं जा रहे।

8 माह में सड़क हादसे, 401 मौतें

- 2,525 एक्सीडेंट
- 401 मौत
- 32,00 घायल
- जनवरी से अगस्त तक सड़क हादसों की आंकड़े

क्या कहती है जनता

गाडियां गड्ढों से बचने के लिए अचानक मुड़ती हैं, जिससे पैदल चलने वालों के ऊपर गाड़ी चढने का डर रहता है। चालक गड्ढों को सामने देखकर ट्रैफिक पर ध्यान नहीं दे पाते है जिसके चलते आए दिन सडक़ हादसे हो रहे है। ब्यौहार बाग की सडक़ का भी ऐसा ही हाल है जहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है।

देवकुमार लोधी, राहगीर

शहर की मुख्य सडक़ों से लेकर रिहायशी इलाकों की गलियों तक की स्थिति इन दिनों बदतर हो चुकी है। नव विहार कॉलोनी की सडक़ों पर गड्ढे नहीं, बल्कि गड्ढों में सडक़ ढूंढनी पड़ रही है। इस बदहाली के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और मरीजों का सडक़ों पर चलना नरक के समान हो गया है। कीचड वाली सडक़ों पर चलना मुश्किल हो गया है।

अंशुल राजपूत, रहवासी, नमन कॉलोनी

सडक़ों पर इतने बड़े-बड़े गड्ढे हैं कि वाहन चलाना मुश्कल है। वाहन अनियंत्रित हो जाते है ऐसे में सडक़ दुर्घटनाएं हो जाती है। सवारी पीछे बैठकर चिल्लाती है कि धीरे चलाओ, लेकिन हम क्या करें गड्ढा बचाएं तो गाड़ी पलटने का डर रहता है, न बचाएं तो सवारी के चोटिल होने का खतरा बना रहता है। घमापुर चौक में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है।

अनवर खान , ड्राइवर, ई रिक्शा चालक

जिम्मेदार नहीं निभा रहे कोई जिम्मेदारी

जबलपुर में आज ऐसी एक भी सडक़ नहीं बची जहां नागरिक चैन और सुकून से सफर कर सकें। सडक़ों की तस्वीर देख ही पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार हुआ है। हर कदम पर गड्ढे मौत को दावत दे रहे हैं। सावधानी हटी, दुर्घटना घटी केवल एक नारा नहीं, बल्कि शहर की कड़वी हकीकत बन चुका है। जहां देखो वहां गड्ढे ही गड्ढे हैं। जिम्मेदार कोई जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। ग्वालियर हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी सरकार एक्शन नहीं ले रही है। मतलब साफ है कि इस भ्रष्टाचार में सरकार खुद शामिल है। अगर ग्वालियर जैसे जांच जबलपुर में भी हो जाए तो भ्रष्टाचार की परते अपने आप खुल जाएगी।

विनय सक्सेना, पूर्व विधायक कांग्रेस

मानसून के दौरान सडक़ों के अस्थाई गड्ढे भरने का काम जारी है। बारिश थमते ही 5 करोड़ के टेंडर के तहत डामरीकरण और सिमेंटीकरण का स्थाई निर्माण शुरू होगा। हमारा लक्ष्य सितंबर के अंत तक सभी सडक़ों को शत-प्रतिशत दुरुस्त करना है।

जगत बहादुर सिंह अन्नू, महापौर

मानसून सीजन को देखते हुए फिलहाल सडक़ों का तात्कालिक रेस्टोरेशन किया जा रहा है। गड्ढों को भरने के लिए मिट्टी और चूड़ी डस्ट का इस्तेमाल हो रहा है। बरसात खत्म होते ही सडक़ों का परमानेंट रेस्टोरेशन किया जाएगा, जहां डामर की जगह डामर और सीसी की जगह सीसी सडक़ बनाई जाएगी। इसके लिए हमारी पूरी तैयारी है, टेंडर हो चुके हैं और ठेकेदार एजेंसी भी तय है। जहां भी गड्ढे हुए हैं, मैं खुद उनकी निगरानी कर रहा हूं और उन्हें तुरंत भरवाने का काम जारी है।

राम प्रकाश अहिरवार, ननि कमिश्नर

बर्बादी का नहीं है डाटा

बारिश से कितने करोड़ की बर्बादी हुई, कितना नुकसान हुआ, कितनी सडक़ें उखड़ीं, इसका कोई डेटा फिलहाल नगर निगम, पीडब्ल्यूडी के पास नहीं है। कमलेश श्रीवास्तव, अधीक्षक यंत्री, कार्यपालक यंत्री ने कहा कि सडक़ों की मरम्मत का काम बारिश के बाद होगा। कितना नुकसान हुआ है इसका आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सकता है। जोन स्तर पर योजना बनाकर निर्माण व सुधार कार्य होगे। वहीं जागेन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री, पीडब्ल्यूडी का कहना है कि बारिश से नुकसान का डाटा शासन को भी भेजा जाता है लेकिन अभी उपलब्ध नहीं है। जानकारियां जुटाई जा रही है। इस महीने के अंत तक नुकसान का पता चल सकता है। फिलहाल सडक़ों को कितना नुकसान हुआ है इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं है। गारंटी अवधि की रोड पर काम ठेकेदारों करवाएंगे जो गारंटी अवधि के बाहर की रोड है उनके सुधार कार्य बारिश बाद होगे।

आस्था परिसर

कांचघर कॉलोनी

खेरमाई गणेशोत्सव समिति

छत्तरपुर की अनीता बाई कोल ने उन्नत खेती से लिखी सफलता की नई इबारत

आधुनिक तकनीक से अरहर की फसल लेकर बनीं प्रेरणा स्त्रोत

नवभारत, जबलपुर । केंद्र और राज्य शासन की कृषक हितैषी नीतियों के फलस्वरूप कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उन्नत तकनीक और वैज्ञानिक सोच के समावेश से जहाँ फसलों की उत्पादकता बढ़ी है, वहीं उत्पादन लागत में कमी आने और आय बढ़ने से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आ रहा है।

इसका एक बेहतरीन उदाहरण जबलपुर जिले के पनागर विकासखंड के ग्राम छत्तरपुर की रहने वाली प्रगतिशील कृषक श्रीमती अनीता बाई कोल की सफलता है। अनीता बाई ने दालों के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित केंद्र शासन के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत अपने एक हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन फसल के प्रदर्शन के रूप में अरहर की उन्नत किस्म भीमा की खेती की और परम्परागत खेती से हटकर एक नई शुरुआत की।

कृषि विभाग का मिला निरंतर मार्गदर्शन

फसल की बुवाई से लेकर कटाई और तैयार होने तक कृषि विकास अधिकारी वृषभान अहिरवार द्वारा लगातार अनिता बाई के खेत का निरीक्षण किया। उन्होंने अनीता बाई को फसल की उचित देखभाल, संतुलित खाद एवं उर्वरक का उपयोग, वैज्ञानिक तरीके से कीट एवं रोग नियंत्रण तथा अन्य कृषि प्रबंधनों की सरल एवं उपयोगी तकनीकी जानकारी दी।

उन्नत तकनीक से बदली तस्वीर

कृषि अधिकारियों के मार्गदर्शन और अपनी मेहनत के बल पर अनीता बाई ने समय पर सभी कृषि कार्य पूरे किए। परिणामस्वरूप उनकी अरहर की फसल बेहद शानदार हुई और उन्हें आधुनिक व उन्नत तकनीक से खेती करने का अमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ।

आधुनिक खेती की हर बारीकी सिखाई

अपनी इस सफलता से उत्साहित अनीता बाई बताती हैं कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग ने उन्हें अरहर की आधुनिक खेती की हर बारीकी सिखाई है। अब वे भविष्य में भी पूरी तरह वैज्ञानिक पद्धति से दलहन की खेती करने करेंगी।अनीता बाई कोल की यह प्रेरणादायक सफलता न केवल उनके परिवार के आर्थिक जीवन में बदलाव ला रही है, बल्कि ग्राम छत्तरपुर और आसपास के अन्य किसानों के लिए भी एक मिसाल बन चुकी है कि कैसे सही मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं के मेल से खेती को अधिक लाभ का सौदा बनाया जा सकता है।

त्यौहारी सीजन में दक्षिण भारत के लिए सीधी ट्रेन

नवभारत, जबलपुर। पूजा, दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को बड़ी सुविधा देते हुए प्रयागराज-तिरुचानूर के बीच सुपरफास्ट त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 04109/04110 दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे लगाएगी और 3 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। यह ट्रेन मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, विजयवाड़ा और रेणिगुंटा होते हुए तिरुचानूर पहुंचेगी। प्रयागराज से ट्रेन शनिवार सुबह 5:20 बजे रवाना होकर रविवार शाम 4:10 बजे तिरुचानूर पहुंचेगी। वापसी में रविवार रात 11:55 बजे तिरुचानूर से चलकर मंगलवार सुबह 10:35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। इससे उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के यात्रियों को दक्षिण भारत के लिए बिना ट्रेन बदले सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। त्योहारी सीजन में इस ट्रेन से तिरुपति के भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर और तिरुचानूर के श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को खास सुविधा मिलेगी।

खेलकूद 25 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता

राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

नवभारत, जबलपुर। 70 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 21 सितंबर से होने जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी गौतमव बर्वे ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि 70वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में 21 सितंबर से 25 सितंबर तक किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में कुश्ती फ्रीस्टाइल 17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग एवं कुश्ती ग्रीकोरोमन 17 वर्ष बालक वर्ग, वूशू 17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग का आयोजन किया जाना है । इसके सफल आयोजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी

जबलपुर को सौंपा गया है जिसका उद्घाटन कार्यक्रम 21 सितंबर को 2:00 बजे खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टेडियम रानीताल खेल परिसर जबलपुर में संपन्न होगा।

9 संभागों से करीब 790 प्रतिभागी करेंगे सहभागिता

इस प्रतियोगिता में 9 संभागों से चयनित लगभग 790 बालक - बालिका, ऑफिशियल्स सहभागिता करेंगे। कुश्ती फ्रीस्टाइल 17 वर्ष बालक - बालिका वर्ग एवं ग्रीकोरोमन 17 वर्ष बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं एमएलबी स्कूल के इनडोर हॉल में एवं वूशू 17 एवं 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बैडमिंटन हॉल रानीताल खेल परिसर में आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए आवास व्यवस्था बालक एवं बालिका वर्ग के लिये पृथक-पृथक शहर के 15 शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में की गई है। वहीं खिलाड़ियों एवं ऑफिशल्स के आवागमन हेतु प्रत्येक संभाग के लिये प्रतियोगिता स्थल तक जाने एवं आवास स्थल वापस आने के लिए कुल 28 बसों की व्यवस्था विभिन्न शासकीय, अशासकीय विद्यालयों से की गई है। उद्घाटन एवं समापन समारोह में विभिन्न शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति भी की जाएगी। प्रेसवार्ता में जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे,जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, प्राचार्य आशीष पंड्या, बीएसी अजय रजक, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, चंद्रशेखर स्वामी, सुधीर अवधिया उपस्थित रहे।

नागरिकों ने खरीदे प्राकृतिक खेती से तैयार उत्पाद

नवभारत, जबलपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी, जबलपुर में आयोजित किए जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का आयोजन इस रविवार को भी किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित जैविक हाट में जिले के जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने उत्पाद बिक्री के लिए रखे। रसायन मुक्त और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री

खरीदने के लिए नागरिकों की भीड़ रही

इस रविवार को बरगी विधायक नीरज सिंह ने भी कृषि उपज मंडी पहुंचकर जैविक हाट का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा की और

उनके उत्पादों की जानकारी ली। कृषि अधिकारियों ने भी किसानों और उपभोक्ताओं से संवाद कर प्राकृतिक खेती के महत्व और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी।

जैविक हाट में नींबू, परवल, केला, पपीता सहित विभिन्न प्रकार की जैविक सब्जियां एवं फल, अनाज, मक्का और दूध से बने उत्पाद उपलब्ध रहे। इसके अलावा मिलेट्स आटा, कुकीज, अचार और अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद भी बिक्री के लिए रखे गए। नागरिकों ने इन उत्पादों की खरीदारी की, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिला। जैविक हाट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी इस बार सिहोरा कृषि विभाग की थी। हाट का संचालन अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनीषा पटेल एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कृषि विस्तार अधिकारी मीना जाटव, साक्षी तिवारी, प्राची बर्मन, अदिति सिंह, काजल पांडे, सुमित पाटकर, अदिति राजपूत एवं शरद दाहिया, ऐटीएम साहब पटेल एवं साक्षी ओझा का योगदान रहा।